644

SA-03

June - Examination 2018

B.A. Pt. II Examination

काव्य तथा संस्कृत साहित्य का इतिहास

Paper - SA-03

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघुत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) पार्वती की माता का नाम क्या है?

(ii) पार्वती का नाम 'अपर्णा' क्यों पड़ा?

(iii) नन्दिनी गाय की तुलना किससे की गयी है?

(iv) सिंह ने अपना परिचय किस प्रकार दिया?

(v) 'कुमारसम्भवम्' में कुल कितने सर्ग हैं?

(vi) कालिदास के प्रमुख नाटक का नाम लिखिये?

(vii) माघ के महाकाव्य का नाम लिखिये।

(viii) 'सौन्दरनन्द' महाकाव्य के रचनाकार का नाम लिखिये।

(ix) कादम्बरी के अलावा बाणभट्ट की दूसरी गद्य रचना का नाम लिखें।

(x) रामायण के रचयिता का नाम लिखें।

(खण्ड – ब) $4 \times 10 = 40$

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2) निम्न में से किसी एक श्लोक की व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए।

(i) मनीषिताः सन्ति गृहेषु देवतास्तपःस्ववत्से क्व च तावकं वपुः।
पदं सहेत भ्रमरस्य पेलवं शिरीषपुष्पं न पुनःपतत्त्रिणः।।

(ii) स्थितः स्थितामुच्चलितः प्रयातां निषेदुषीमासनबन्धधीरः।
जलाभिलाषी जलमाददानां छायेव तां भूपतिरन्वगच्छत्।।

3) कुमारसम्भवम् के पंचम् सर्ग के आधार पर पार्वती द्वारा की गयी तपस्या का वर्णन कीजिये।

4) दिलीप व सिंह के मध्य हुये वार्तालाप को लिखिये।

5) 'उपमा कालिदासस्यं' उक्ति को रघुवंश के उदाहरणों द्वारा स्पष्ट कीजिये।

6) 'दण्डिनः पदलालित्यं' विषय पर एक लेख लिखिये।

7) कालिदास की अलंकार योजना पर लेख लिखिये।

8) रामायण कालीन सामाजिक स्थिति पर प्रकाश डालिये।

9) महाभारत के समय निर्धारण पर एक लेख लिखिये।

(खण्ड – स) $2 \times 20 = 40$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आपको अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित करना है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10) ''कालिदास प्रकृति के चितेरे कवि हैं'' रघुवंश के द्वितीय सर्ग के आधार पर इस उक्ति की समीक्षा कीजिये।

11) रामायण व महाभारत की सामाजिक राजनैतिक व सांस्कृतिक स्थितियों का तुलनात्मक विवेचन कीजिये।

12) भारवि के काव्य सौष्ठव व राजनैतिक पटुता पर एक लेख लिखिये।

13) संस्कृत गद्य साहित्य के उद्‌भव व विकास क्रम में सुबन्धु का स्थान निर्धारण कीजिये।